तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं.50/2020)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 2020

(www.trai.gov.in)

30 अप्रैल, 2020 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1149.52**	**19.92**	**1169.44**
अप्रैल, 2020 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-8.23	-0.30	-8.53
मासिक वृद्धि दर	-0.71%	-1.48%	-0.72%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**629.44**	**17.76**	**647.19**
अप्रैल, 2020 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-9.05	-0.22	-9.27
मासिक वृद्धि दर	-1.42%	-1.21%	-1.41%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**520.08**	**2.16**	**522.24**
अप्रैल, 2020 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	0.82	-0.08	0.74
मासिक वृद्धि दर	0.16%	-3.59%	0.14%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**85.18%**	**1.48%**	**86.66%**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	136.22%	3.84%	140.06%
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	58.61%	0.24%	58.85%
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	54.76%	89.14%	55.34%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	45.24%	10.86%	44.66%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**657.12**	**19.02**	**676.14**

- अप्रैल, 2020 के माह में 0.90 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से मार्च, 2020 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 487.33 मिलियन से बढ़कर अप्रैल, 2020 के अंत तक 488.23 मिलियन हो गया।

- अप्रैल, 2020 के अंत तक सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 957.87 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* भारतीय जनगणना 2011 की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011–2036 के अनुमानों के आकड़ो के आधार पर

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- मार्च, 2020 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,177.97 मिलियन से घटकर अप्रैल, 2020 के अंत तक 1,169.44 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक ह्रास दर 0.71 प्रतिशत दर्ज की गयी। मार्च, 2020 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 656.46 मिलियन से घटकर अप्रैल, 2020 के अंत तक 647.19 मिलियन हो गई, परन्तु इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या 521.51 मिलियन से बढ़कर 522. 24 मिलियन हो गई। अप्रैल, 2020 माह के दौरान शहरी उपभोक्ताओं की मासिक ह्रास दर 1.42 प्रतिशत तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की वृद्धि दर 0.16 प्रतिशत रही।

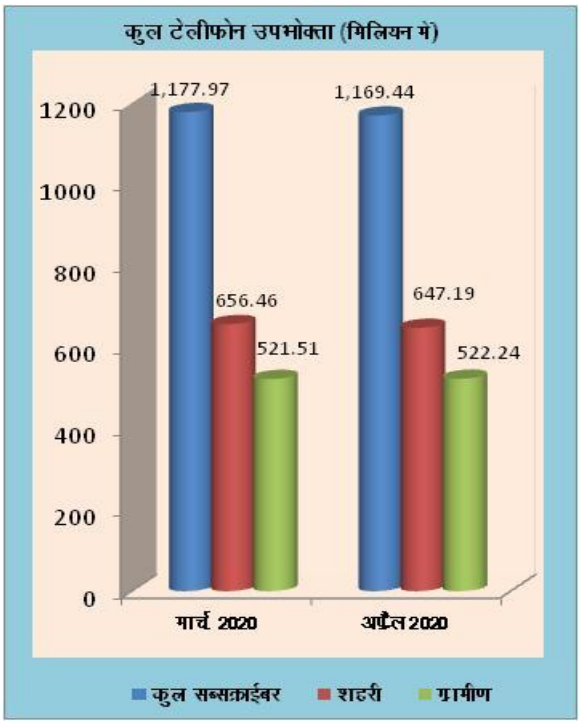

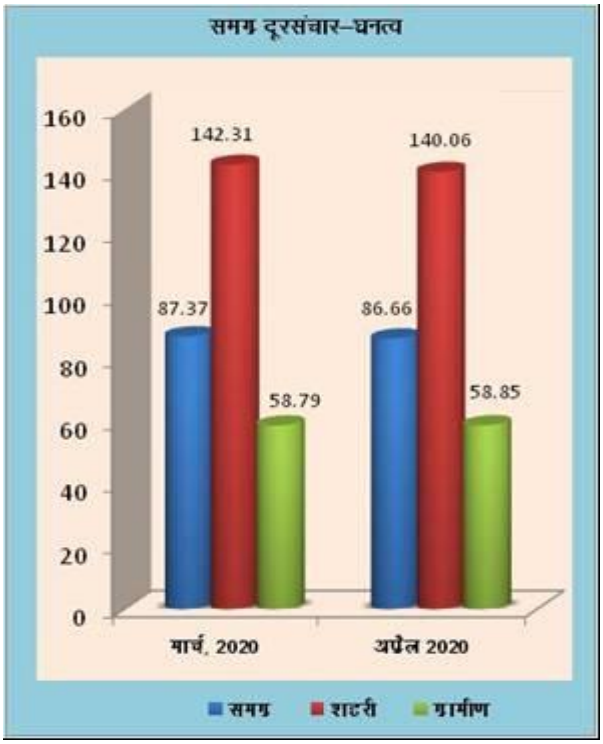

- मार्च, 2020 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 87.37 से घटकर अप्रैल, 2020 के अंत तक 86.66 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व मार्च, 2020 के अंत तक 142.31 से घटकर अप्रैल, 2020 के अंत तक 140.06 हो गया, किन्तु ग्रामीण दूरसंचार घनत्व मार्च, 2020 के अंत तक 58.79 से बढ़कर अप्रैल, 2020 के अंत तक 58.85 हो गया। अप्रैल, 2020 के अंत तक शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 55.34 प्रतिशत तथा 44.66 प्रतिशत थी।

दिनांक 30 अप्रैल, 2020 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

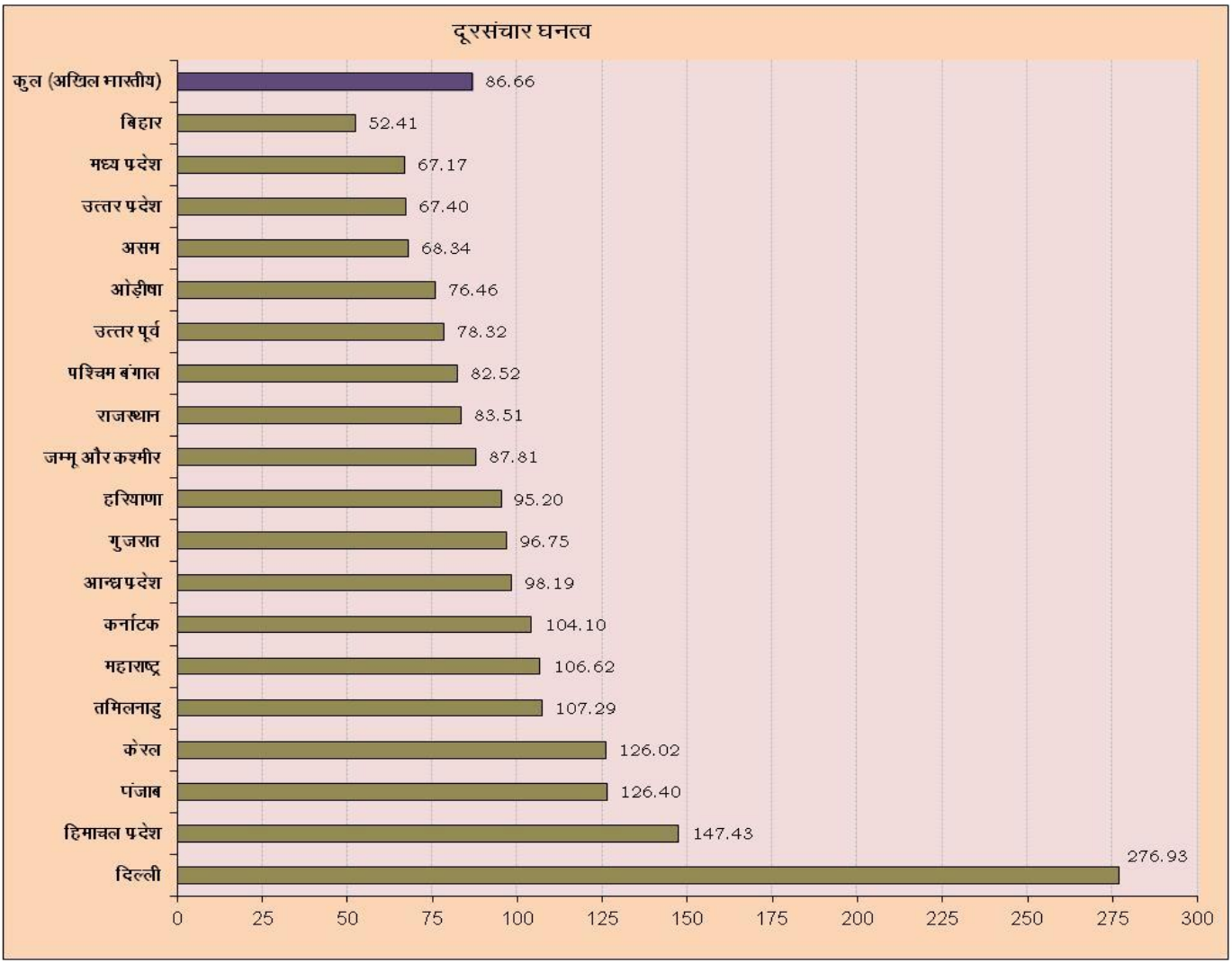

- उपर्युक्त चार्ट में देख जा सकता है कि अप्रैल, 2020 के अंत में आठ राज्यों में टेलि–घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि–घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि–घनत्व 276.93 रहा जबकि इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि–घनत्व 52.41 रहा है।

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारतीय जनगणना 2011 की जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई, जम्मू एवं कश्मीर में लद्दाख तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑंध्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

अप्रैल, 2020 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	अप्रैल, 2020 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 30 अप्रैल, 2020 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-1,06,731	-44,54,117	77,21,258	39,37,40,624
श्रेणी – ख	-1,35,643	-9,53,149	44,30,691	46,53,07,877
श्रेणी – ग	-754	-17,21,431	8,27,739	17,46,11,483
महानगर	-55,353	-11,02,894	69,39,918	11,58,56,929
अखिल भारतीय	**-2,98,481**	**-82,31,591**	**1,99,19,606**	**1,14,95,16,913**

अप्रैल, 2020 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (मार्च, 2020 से अप्रैल, 2020 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (अप्रैल, 2019 से अप्रैल, 2020 तक)	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-1.36%	-1.12%	-7.99%	-1.11%
श्रेणी – ख	-2.97%	-0.20%	-16.45%	-1.52%
श्रेणी – ग	-0.09%	-0.98%	-7.19%	-0.09%
महानगर	-0.79%	-0.94%	0.79%	-0.86%
अखिल भारतीय	**-1.48%**	**-0.71%**	**-7.23%**	**-1.10%**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि मासिक एवं वार्षिक के आधार पर वायरलेस क्षेत्र में सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक ह्रास दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में अप्रैल, 2020 माह के दौरान सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक ह्रास दर्ज की गई है। वार्षिक आधार पर केवल महानगर श्रेणी के सेवा क्षेत्रों में वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है, अन्य सभी श्रेणियों में वार्षिक ह्रास दर्ज की गई है।

III. वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ता

- मार्च, 2020 के अंत तक कुल वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,157.75 मिलियन से घट़कर अप्रैल, 2020 के अंत तक 1,149.52 मिलियन हो गई जिसमें मासिक ह्रास दर 0.71 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2020 के अंत तक 638.48 मिलियन से घटकर अप्रैल, 2020 के अंत तक 629.44 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या 519.27 मिलियन से बढ़कर 520.08 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक ह्रास दर –1.42 प्रतिशत तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर 0.16 प्रतिशत रही।

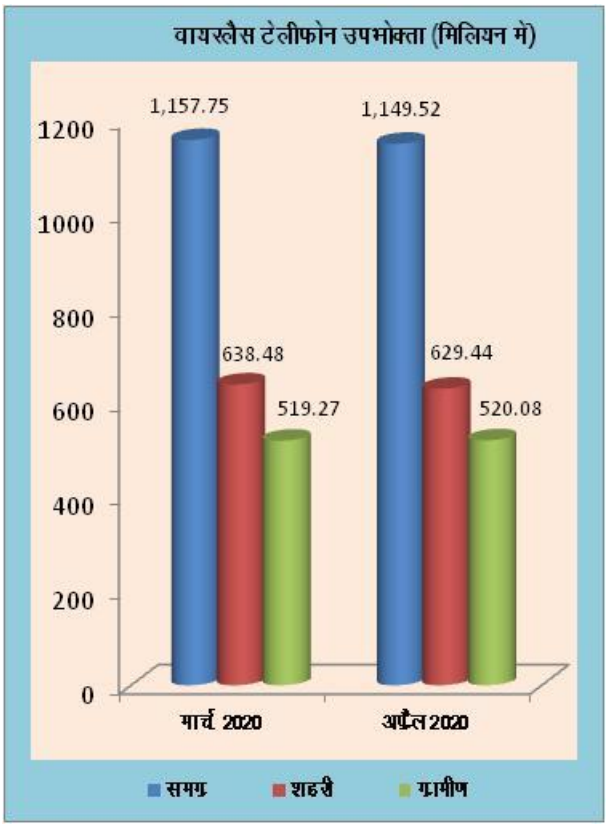

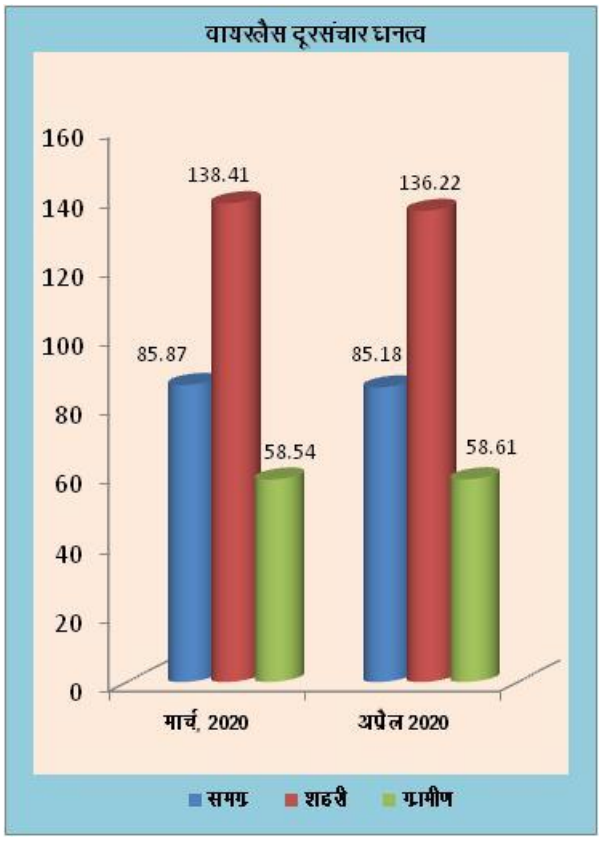

- मार्च, 2020 के अंत तक वायरलेस दूरसंचार घनत्व 86.87 से घटकर अप्रैल, 2020 के अंत तक 85.18 हो गया। शहरी क्षेत्रों में मार्च, 2020 के अंत में वायरलेस दूरसंचार घनत्व 138.41 से घटकर अप्रैल, 2020 के अंत में 136.22 हो गया, किन्तु इसी दौरान ग्रामीण वायरलेस दूरसंचार घनत्व 58.54 से बढ़कर 58.61 हो गया। अप्रैल, 2020 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 54.76 प्रतिशत तथा 45.24 प्रतिशत थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 30 अप्रैल, 2020 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 89.28 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 10.72 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।
- वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया है:–

30 अप्रैल, 2020 की स्थिति के अनुसार सेवा प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

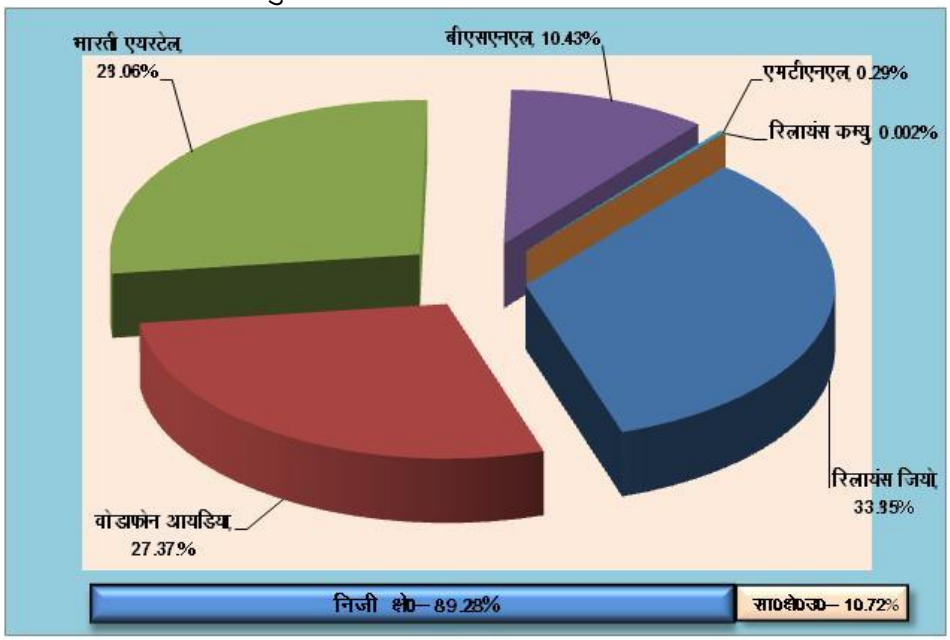

अप्रैल, 2020 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

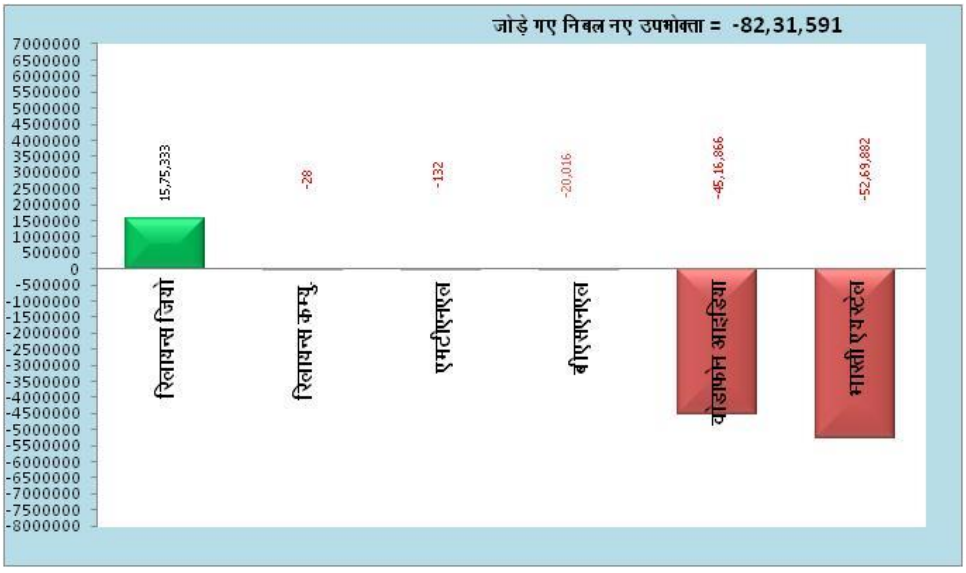

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है।
2. बीएसएनएल के वर्चुअल नेटवर्क ऑपरेटर ने अक्टूबर, 2018 माह सें अपने उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट करना आरंभ किया है जिसे इस रिपोर्ट में मेसर्स बीएसएनसल के उपभोक्ताओं की संख्या में शामिल किया गया है।

IV. सक्रिय वायरलेस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- अप्रैल, 2020 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,149.52 मिलियन) में से 957.87 मिलियन वायरलेस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 83.33 प्रतिशत था।

- अप्रैल, 2020 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

अप्रैल, 2020 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

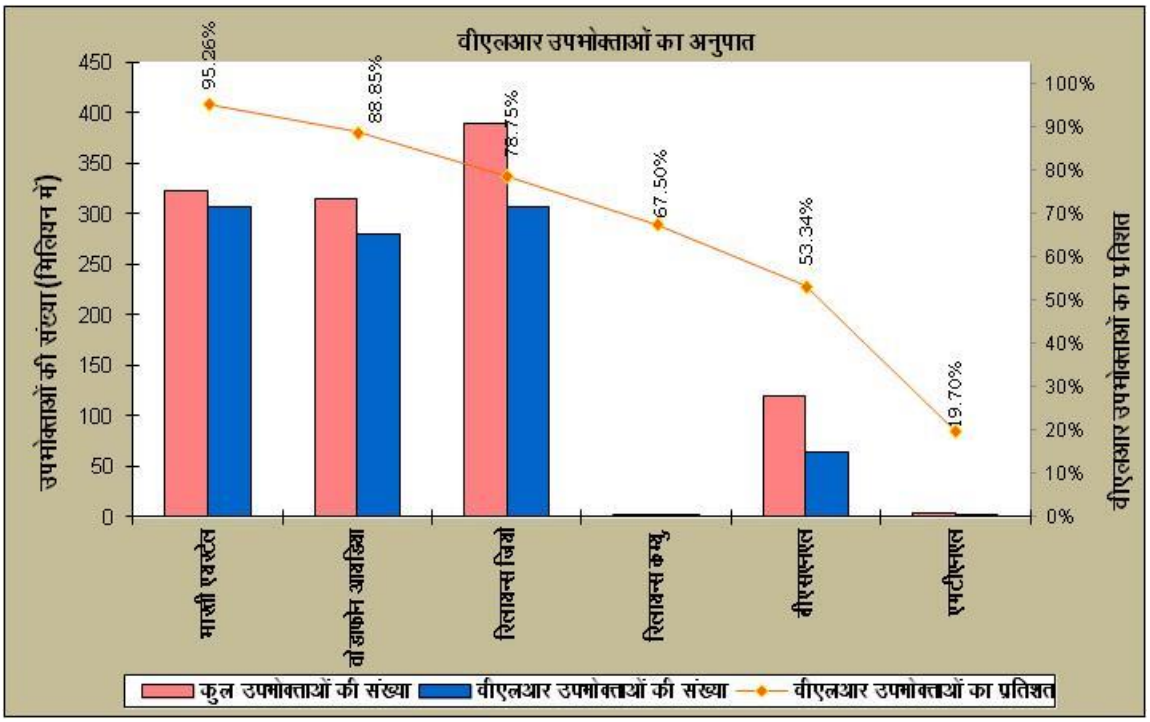

- अप्रैल, 2020 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 95.26 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है। इसी दौरान एमटीएनएल के वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 19.70 प्रतिशत अर्थात् न्यूनतम रहा।

अप्रैल, 2020 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

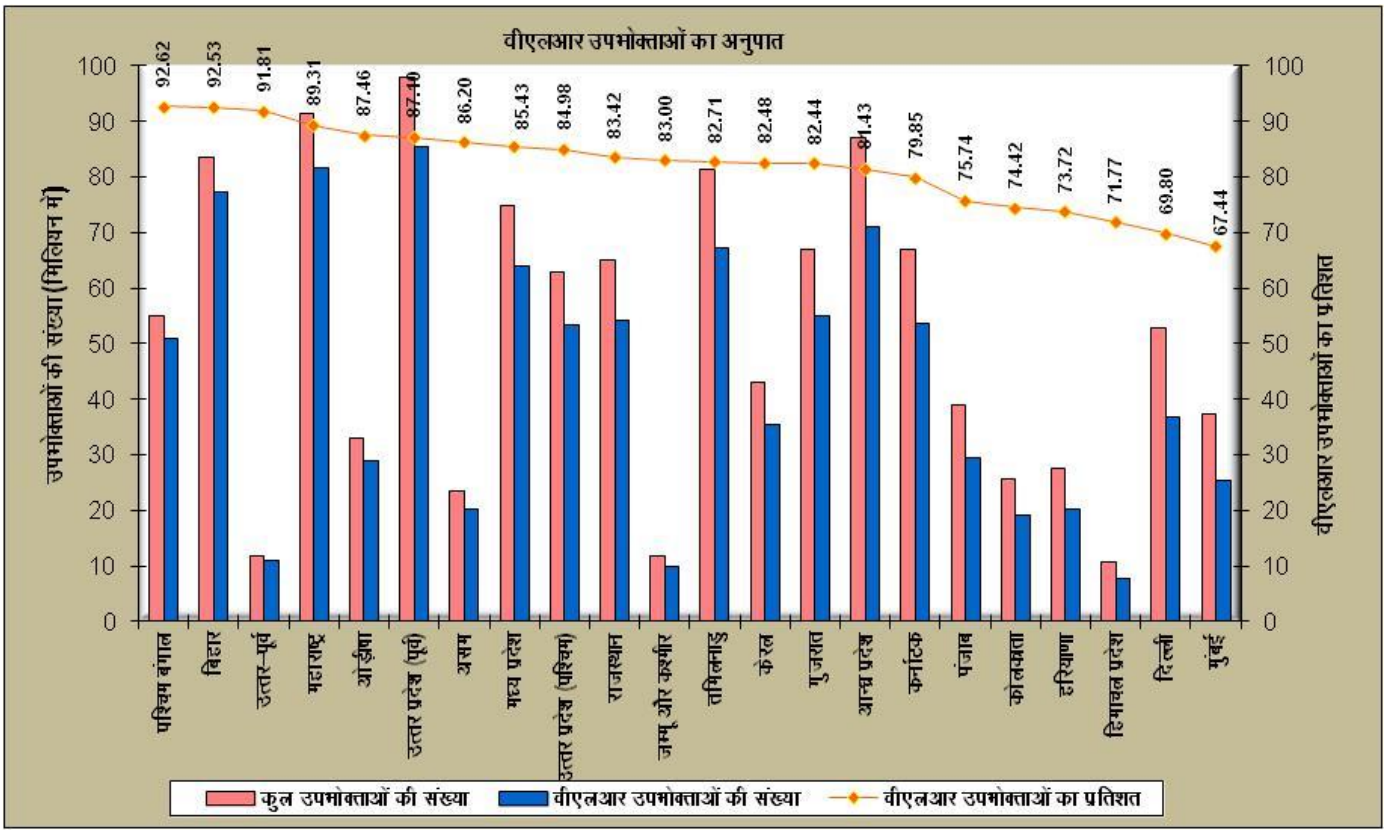

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

अप्रैल, 2020 माह के दौरान सेवा–प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ताओं आधार में मासिक वृद्धि दर

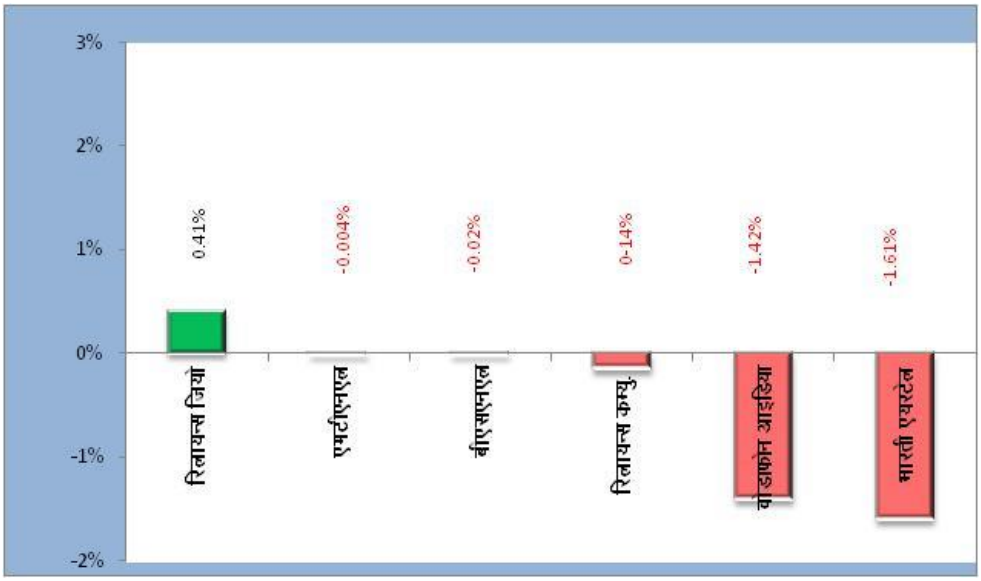

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है हालांकि दूरसंचार विभाग ने अभी उन दोनो के विलय की मंजूरी नहीं दी है।

2. बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या एवं वृद्धि दर में उनके वीएनओ के उपभोक्ताओं की संख्या सम्मिलित है

अप्रैल, 2020 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

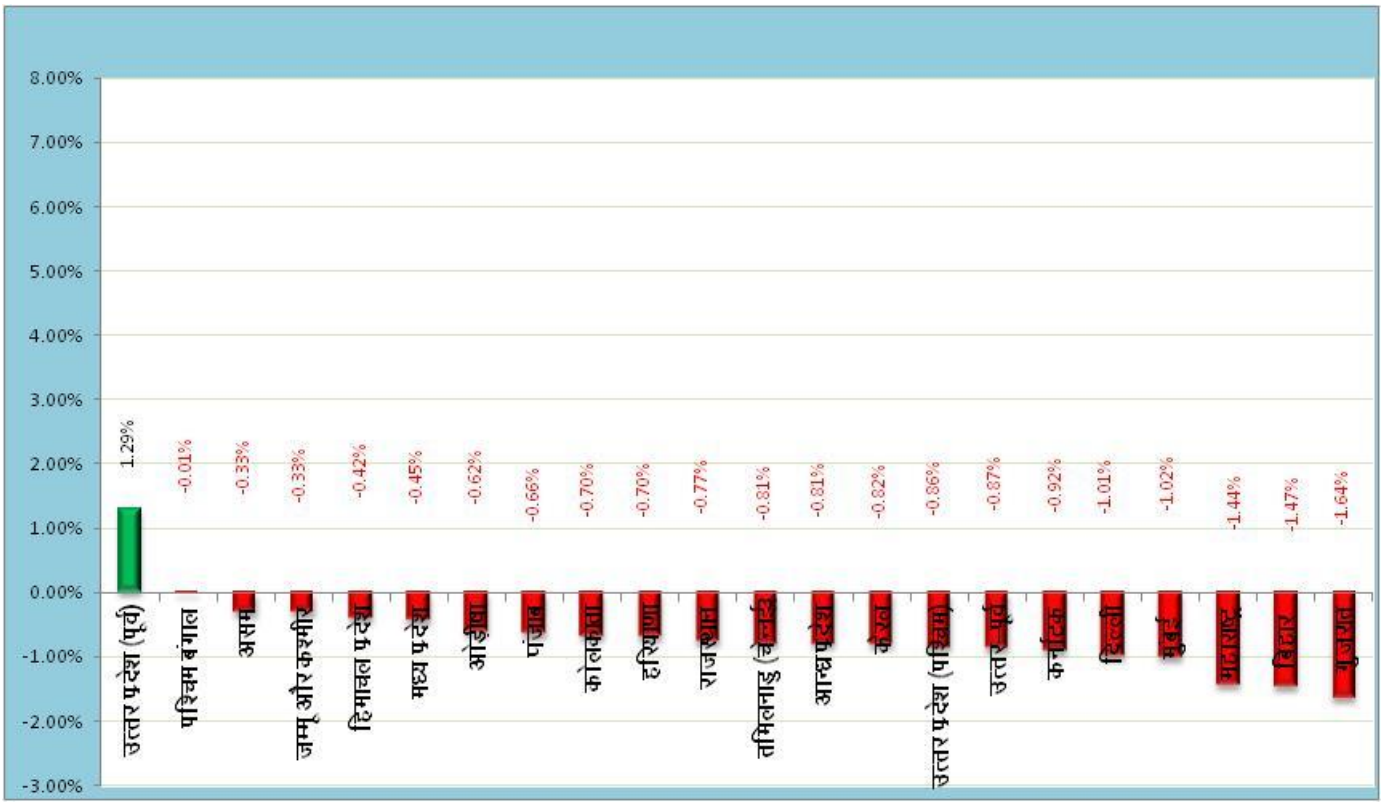

- अप्रैल, 2020 माह के दौरान उत्तर प्रदेश (पूर्व) को छोड़कर सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निबल ह्रास दर दर्ज की गई। इस माह के दौरान उत्तर प्रदेश (पूर्व) सेवा क्षेत्र में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में सबसे अधिक 1.29 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03. 07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- अप्रैल, 2020 के माह में कुल 0.90 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 0.90 मिलियन अनुरोधों में से 0.44 मिलियन अनुरोध जोन–। से तथा 0.46 मिलियन अनुरोध जोन–।। से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथि से, संचयी एमएनपी अनुरोध मार्च, 2020 के अंत तक 487.33 मिलियन से बढ़कर अप्रैल, 2020 के अंत तक 488.23 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में महाराष्ट्र में (लगभग 37.86 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद राजस्थान में (लगभग 37.42 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 43.65 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 40.85 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन–।			जोन–।।		
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या		सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	
	मार्च, 2020	अप्रैल, 2020		मार्च, 2020	अप्रैल, 2020
दिल्ली	25.05	25.06	आन्ध्र प्रदेश	40.79	40.85
गुजरात	32.57	32.61	टसम	3.70	3.70
हरियाणा	17.49	17.53	थ्बहार	20.21	20.27
हिमाचल प्रदेश	2.38	2.38	कर्नाटक	43.61	43.65
जम्मू और कश्मीर	1.18	1.18	केरल	12.39	12.47
महाराष्ट्र	37.79	37.86	कोलकाता	11.40	11.41
मुंबई	24.05	24.05	मध्य प्रदेश	32.61	32.67
प्ंजाब	18.78	18.81	उत्तर–पूर्व	1.44	1.44
राजस्थान	37.38	37.42	ओड़ीशा	9.68	9.71
उत्तर प्रदेश–पूर्व	28.12	28.22	तमिलनाडु	40.29	40.33
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	22.57	22.66	पश्चिम बंगाल	23.87	23.94
कुल	**247.35**	**247.79**	कुल	**239.98**	**240.44**
कुल (जोन–। + जोन–।।)				**487.33**	**488.23**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (अप्रैल, 2020 माह में)				0.90 मिलियन	

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2020 के अंत तक 20.22 मिलियन से घटकर अप्रैल, 2020 के अंत तक 19.92 मिलियन हो गई। इस माह में 1.48 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.30 मिलियन की निबल कमी दर्ज की गई। सेवा प्रदाता–वार एवं सेवा क्षेत्र–वार वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं। अप्रैल, 2020 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 89.14 प्रतिशत तथा 10.86 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व मार्च, 2020 माह के अंत में 1.50 से घटकर अप्रैल, 2020 माह के अंत में 1.48 हो गया। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 3.84 तथा 0.24 रहा।

- 30 अप्रैल, 2020 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 58.14 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। अप्रैल, 2020 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 30 अप्रैल, 2020 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

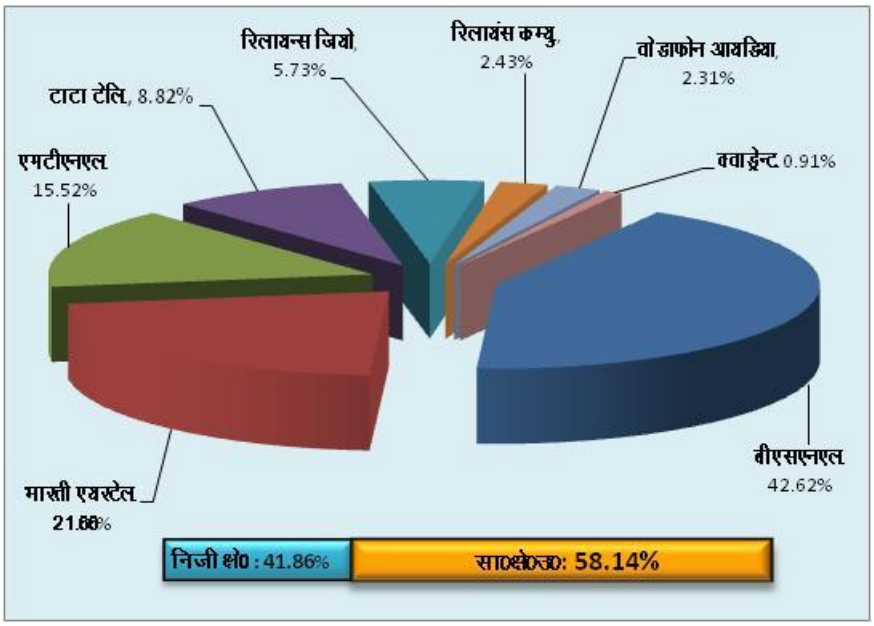

अप्रैल 2020 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

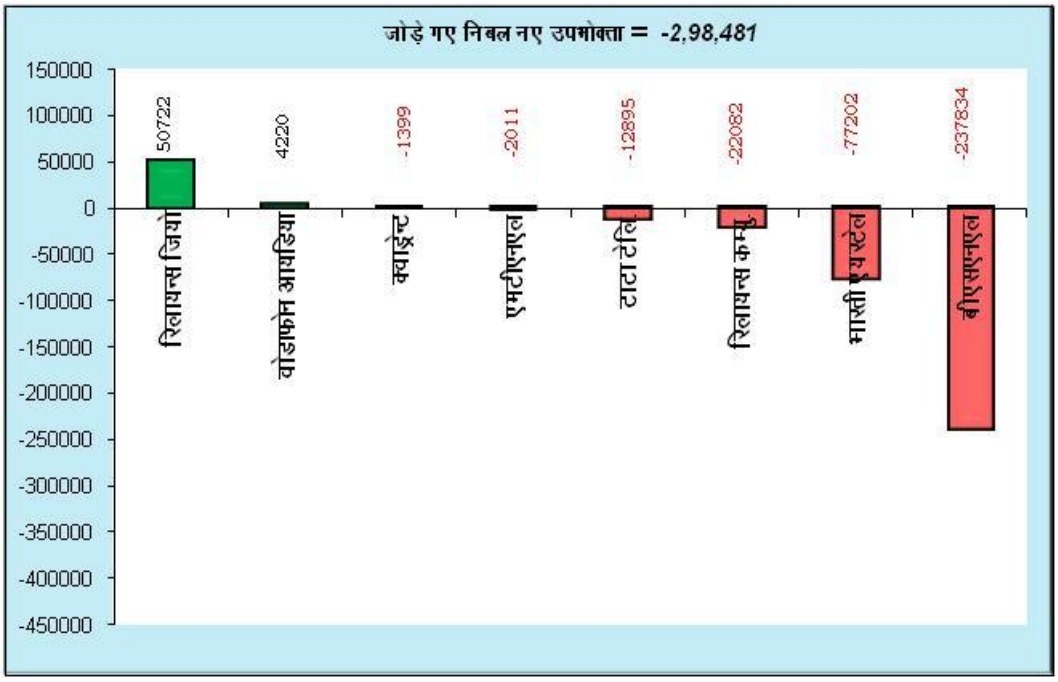

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- अप्रैल माह में 342 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, मार्च, 2020 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 687.44 मिलियन से घटकर अप्रैल, 2020 के अंत में 676.14 मिलियन हो गई जिसमें मासिक ह्रास दर 1.64 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:

ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		अप्रैल, 2020 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 30 अप्रैल, 2020 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	19.18	19.02	-0.82%
मोबाइल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डॉन्गल)	667.66	656.51	-1.67%
फिक्सड वायरलैस ब्रॉडबैंड उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू –प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.60	0.61	2.15%
कुल	**687.44**	**676.14**	**-1.64%**

- अप्रैल, 2020 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.98 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (389.99 मिलियन), भारती एयरटेल (144.76 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (111.38 मिलियन), बीएसएनएल (21.54 मिलियन) तथा अत्रिया कन्वर्जेंस (1.59 मिलियन) थे।

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया है:

दिनांक 30.04.2020 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन + वायरलैस)
सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

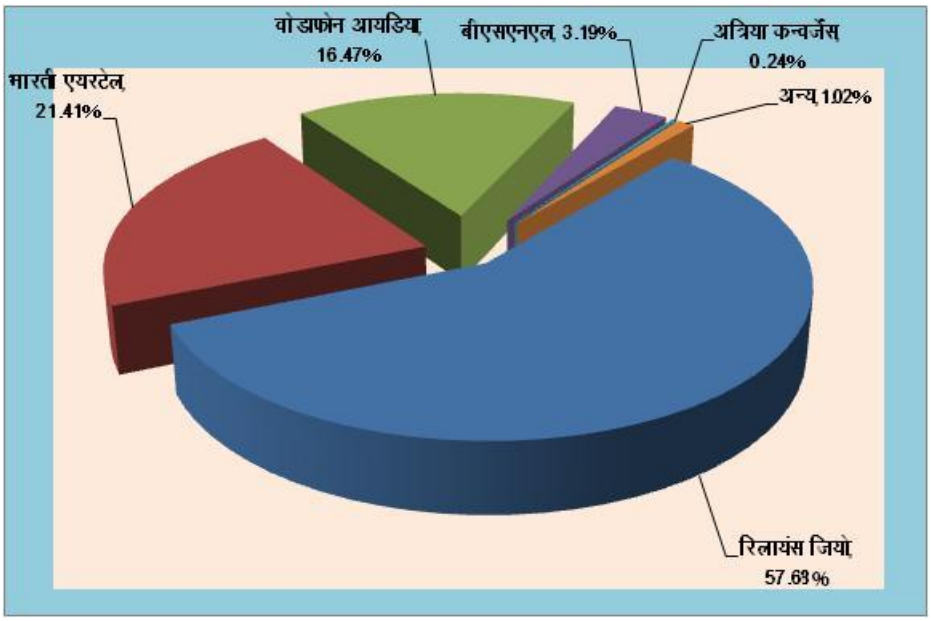

- दिनांक 30 अप्रैल, 2020 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (7.97 मिलियन), भारती एयरटेल (2.44 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.59 मिलियन), हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (0.97 मिलियन) तथा रिलायंस जियो (0.90 मिलियन) थे।

- दिनांक 30 अप्रैल, 2020 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलेस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (389.09 मिलियन), भारती एयरटेल (142.33 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (111.36 मिलियन), बीएसएनएल (13.56 मिलियन) तथा एमटीएनएल (0.17 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री एस. के. मिश्रा, प्रघान सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110002
फोन–011–23221856
फैक्स–011–23235249
ई–मेलः skmishra.trai@nic.in

जारी करने के लिए प्राधिकृतः

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएंडईए)

वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह															
	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		एमटीएनएल		रिलायंस जियो		कुल उपभोक्ताओं की संख्या	
	मार्च, 2020	अप्रैल, 2020	मार्च, 2020	अप्रैल, 2020	मार्च, 2020	अप्रैल, 2020	मार्च, 2020	अप्रैल, 2020	मार्च, 2020	अप्रैल, 2020	मार्च, 2020	अप्रैल, 2020	मार्च, 2020	अप्रैल, 2020	मार्च, 2020	अप्रैल, 2020
आन्ध्र प्रदेश	29359105	28972986	2215	2212	18117771	17683144	9880476	9881535					30496220	30601661	87855787	**87141538**
असम	8353872	8249311	0	0	4183200	4173958	2790779	2815919					8275824	8287547	23603675	**23526735**
बिहार	34977894	34585811	381	381	14591200	13528501	5628326	5640105					29526256	29721424	84724057	**83476222**
दिल्ली	15622321	15392076	1789	1789	17332519	16982626	0	0			2181486	2181437	18259352	18302250	53397467	**52860178**
गुजरात	10993217	10311741	605	604	27072381	26575630	6111290	6104253					23755633	23824235	67933126	**66816463**
हरियाणा	4537398	4482455	136	136	8785711	8646982	5003797	5001387					9347510	9348593	27674552	**27479553**
हिमाचल प्रदेश	3328098	3278997	104	104	850315	837019	2991601	2992738					3620570	3637021	10790688	**10745879**
जम्मू और कश्मीर	5928411	5870663	0	0	610483	619462	1257282	1252838					4064862	4079081	11861038	**11822044**
कर्नाटक	28721892	28258387	1540	1540	11268724	11030507	7318035	7274791					20318123	20441097	67628314	**67006322**
केरल	5609440	5538046	634	633	17962231	17603735	10944293	10944266					8915611	8990383	43432209	**43077063**
कोलकाता	6244080	6105132	36	36	7368356	7285432	2096657	2105043					10024019	10056731	25733148	**25552374**
मध्य प्रदेश	14476869	14157984	750	750	23870180	23672162	6368950	6377687					30517136	30688624	75233885	**74897207**
महाराष्ट्र	16099766	15759463	1050	1046	38126290	36994987	7051528	7057401					31518967	31647484	92797601	**91460381**
मुंबई	9921502	9743289	2397	2386	12712857	12483442	0	0			1178701	1178618	14013751	14036642	37829208	**37444377**
उत्तर–पूर्व	5232246	5152370	0	0	1721989	1706084	1422503	1400558					3645578	3658488	12022316	**11917500**
ओड़ीशा	11428399	11203486	364	364	3159284	3083567	6227956	6248099					12515137	12587587	33331140	**33123103**
पंजाब	10288523	10116953	316	316	9328394	9180985	5779360	5782584					13777111	13834813	39173704	**38915651**
राजस्थान	21115780	20821142	368	368	13598361	13334087	6271217	6275568					24547174	24595250	65532900	**65026415**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	25220269	24793264	3135	3130	20335566	20053473	12604529	12551745	92015	92052			23724399	23822256	81979913	**81315920**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	30968581	30696400	866	862	25719403	27179466	11693544	11703589					28376042	28427340	96758436	**98007657**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	13933712	13807864	301	300	23633309	23131097	5964689	5979790					19849305	19916026	63381316	**62835077**
पश्चिम बंगाल	15451606	15245279	809	811	18820090	18865402	2373296	2370159					18428223	18587603	55074024	**55069254**
कुल	**327812981**	**322543099**	**17796**	**17768**	**319168614**	**314651748**	**119780108**	**119760055**	**92015**	**92052**	**3360187**	**3360055**	**387516803**	**389092136**	**1157748504**	**1149516913**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		-5269882		-28		-4516866		-20053		37		-132		1575333	0	**-8231591**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*153181508*	*155785366*	*0*		*167016669*	*164400292*	*38085638*	3,80,80,225	*0*	*0*	*45593*	*45592*	*160935668*	*161769777*	519265076	**520081252**

अनुलग्नक–**II**

अप्रैल, 2020 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	कुल
आन्ध्र प्रदेश	94.40	62.45	90.63		58.45	69.96	**81.43**
असम	98.64	51.48	85.32		-	86.08	**86.20**
बिहार	96.01	49.23	91.57		98.60	97.13	**92.53**
दिल्ली	80.83		71.44	10.66	29.30	66.06	**69.80**
गुजरात	93.12	49.35	91.39		29.30	76.30	**82.44**
हरियाणा	103.34	37.04	90.39		52.94	63.73	**73.72**
हिमाचल प्रदेश	100.95	38.21	91.08		33.65	68.64	**71.77**
जम्मू और कश्मीर	94.89	57.51	80.81		-	74.05	**83.00**
कर्नाटक	91.08	55.42	87.59		88.25	68.86	**79.85**
केरल	95.31	65.90	95.49		28.44	69.29	**82.48**
कोलकाता	86.86	47.88	84.72		-	64.96	**74.42**
मध्य प्रदेश	93.66	47.79	86.19		47.47	88.88	**85.43**
महाराष्ट्र	100.73	56.16	93.66		49.43	85.93	**89.31**
मुंबई	69.66		71.74	36.43	127.37	64.67	**67.44**
उत्तर–पूर्व	98.92	74.41	83.60		-	92.30	**91.81**
ओड़ीशा	101.20	64.83	85.58		13.46	86.92	**87.46**
पंजाब	97.36	41.16	89.50		20.89	65.24	**75.74**
राजस्थान	97.46	46.53	92.36		36.14	76.09	**83.42**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	94.04	64.22	90.90		72.36	73.84	**82.71**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	101.91	38.68	90.76		38.17	87.55	**87.10**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	105.50	43.44	90.17		11.67	77.20	**84.98**
पश्चिम बंगाल	98.62	80.37	90.68		26.88	91.24	**92.62**
कुल	**95.26**	**53.34**	**88.85**	**19.70**	**67.50**	**78.75**	**83.33**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–**III**

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह																कुल संख्या	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		टाटा टेलि.		क्वाडेंट		वोडाफोन आयडिया		रिलायंस जियो			
	मार्च, 2020	अप्रैल, 2020	मार्च, 2020	अप्रैल, 2020	मार्च, 2020	अप्रैल, 2020	मार्च, 2020	अप्रैल, 2020	मार्च, 2020	अप्रैल, 2020	मार्च, 2020	अप्रैल, 2020	मार्च, 2020	अप्रैल, 2020	मार्च, 2020	अप्रैल, 2020	मार्च, 2020	अप्रैल, 2020
आन्ध्र प्रदेश	754108	728414			213913	211116	29286	27999	166571	165717			51345	51345	100686	109350	1315909	**1293941**
असम	95015	94874											3450	3450	12875	13314	111340	**111638**
बिहार	146322	145766					2056	1973	8402	8286			1980	2010	17614	18493	176374	**176528**
दिल्ली	0	0	1395358	1394251	1491730	1460886	67232	65012	147802	147080			78115	78575	87626	89953	3267863	**3235757**
गुजरात	643726	592781			99478	101465	9725	9279	85404	82561			32052	31082	130278	132586	1000663	**949754**
हरियाणा	175363	176915			22600	23080	1526	1487	38096	37813			360	360	26290	25178	264235	**264833**
हिमाचल प्रदेश	94579	93617				0	1117	1045	1933	1917			60	60	795	840	98484	**97479**
जम्मू और कश्मीर	120470	117176				1860	0	0	0	0			0	0	14337	15976	134807	**135012**
कर्नाटक	863720	849574			778931	772675	97249	94797	272504	270724			82947	82917	51624	55374	2146975	**2126061**
केरल	1445592	1430506			62520	60588	10242	9957	19648	19577			5670	5670	14857	15507	1558529	**1541805**
कोलकाता	389392	387892			135817	131191	33239	32915	48882	48752			11480	12480	36071	36583	654881	**649813**
मध्य प्रदेश	358417	326644			240632	236269	4692	4588	13334	13078			2310	2310	50033	52074	669418	**634963**
महाराष्ट्र	877812	887272			113704	112042	35947	34945	257716	256219			29723	29743	36781	37591	1351683	**1357812**
मुंबई	0	0	1698442	1697538	398083	385451	137505	126539	538886	535719			85887	86637	213724	222464	3072527	**3054348**
उत्तर–पूर्व	90954	89812											270	270	6265	6728	97489	**96810**
ओड़ीषा	185731	185504					1651	1622	8697	8738			5760	5760	8160	8648	209999	**210272**
पंजाब	314234	312625			139989	132774	9444	9267	12314	12112	182269	180870	3030	3030	37031	41187	698311	**691865**
राजस्थान	356233	352049			58468	56781	12659	12378	11599	11463			9960	9960	39655	40672	488574	**483303**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1165205	1146534			547423	540444	45557	43374	122719	122086			32545	35505	99310	105747	2012759	**1993690**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	277783	217783			63353	62535	2745	2710	8308	8173			13330	13330	36200	39240	401719	**343771**
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	209990	197523			25940	26222	2118	2087	4820	4776			5550	5550	62279	64874	310697	**301032**
पश्चिम बंगाल	162457	156008					1615	1549	2473	2422			120	120	8186	9020	174851	**169119**
कुल	**8727103**	**8489269**	**3093800**	**3091789**	**4392581**	**4315379**	**505605**	**483523**	**1770108**	**1757213**	**182269**	**180870**	**455944**	**460164**	**1090677**	**1141399**	**20218087**	**19919606**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		-237834		-2011		-77202		-22082		-12895		-1399		4220		50722		**-298481**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	**2158197**	**2077921**	**0**	**0**	**0**	**0**	**945**	**940**	**45723**	**45394**	**35478**	**35365**	**0**	**0**	**2838**	**3019**	**2243181**	**2162639**

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

———————